Service Commission, Calcutta and kept on the waiting list for long during the period 1956 to 1959;

(b) whether it is also the practice to conduct fresh selections while candidates on the panel successful in previous tests are still on the waiting list; and

(c) if so, what is the justification for conducting fresh selections while large number of earlier selectees are outstanding?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) to (c) Information is being collected and will be laid on the Table of Lok Sabha

देशी चिकित्सा प्रणाली

१८३५. { श्री ह० मधुसूदन राव
श्री कोरटकर :

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि देशी चिकित्सा प्रणाली में शिक्षा प्रदान करने वाली संस्थाओं का स्तर ऊंचा करने और देशी चिकित्सा में एकरूपता लाने के सम्बन्ध में जैसा कि दवे समिति ने सिफारिश की थी, केन्द्रीय सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री करमरकर) चिकित्सा-शिक्षा मुख्यत. राज्य का विषय है।

दवे समिति की सिफारिशें केन्द्रीय स्वास्थ्य परिषद् के समक्ष उसकी जनवरी, १९५८ में हुई बैठक में रखी गई थी जिन पर परिषद् ने निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किया —

"दवे समिति की सिफारिशों पर व्यक्त किये गये अभिमत पर विचार करने के बाद केन्द्रीय स्वास्थ्य परिषद् की राय है कि वर्तमान परिस्थितियों में सभी राज्यों के लिए एक सी नीति निर्धारित नहीं की जा सकती और वह राज्य सरकारों से सिफारिश करती है कि वे आयुर्वेद तथा अन्य स्वदेशी चिकित्सा प्रणालियों के विकास के लिए ऐसे कदम उठाये जो उन्हें व्यावहारिक एवं उपयुक्त प्रतीत हों। यह परिषद् यह भी सिफारिश करती है कि केन्द्रीय सरकार आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और अन्य देशी चिकित्सा प्रणालियों में अनुसन्धान को सक्रिय प्रोत्साहन दे।"

आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली के सभी पहलुओं में उसके वर्तमान स्तर के निर्धारण तथा मूल्यांकन के लिए भारत सरकार ने हाल ही में एक दूसरी समिति बनाई। आयुर्वेदिक प्रशिक्षण के वर्तमान स्तर के सुधार तथा देशभर में इस विषय में एकरूपता लाने के लिए इस समिति ने कुछ सिफारिशें की हैं। इन सिफारिशों की छानबीन की जा रही है।

समिति ने सुझाव रखा है कि आयुर्वेद के सम्बन्ध में उसकी सिफारिशें सामान्यतः यूनानी और सिद्ध जैसी अन्य स्वदेशी चिकित्सा प्रणालियों पर भी लागू होंगी।

Theft of Lead Bars

1836. **Shri B. Das Gupta:** Will the Minister of Railways be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No 1122 on the 28th August, 1958 and state·

(a) whether 13 stolen bars of lead were recovered from under the ash heap between the railway lines in the marshalling yard of the Katrasgarh Railway Station (Eastern Railway) on the night of the 27th July, 1958,

(b) whether these lead bars were manufactured at the Smelter at Tundoo Metal Works and had been pilfered out of the wagons of lead despatched from the siding of the Metal Corporation of India, Tundoo and booked at Katrasgarh goods shed on the 25th July, 1958;

(c) whether the local police got the information about a gang of habitual wagon breakers operating in that sector of the Railway and informed the